B- 4
L- 13
Economy

(iv) भू-राजस्व :- Land Revenue

राज्य सरकारों द्वारा लगाया जाने वाला एक प्रत्यक्ष कर।
इसे भू-जोतों पर एक-मुश्त ढंग से लगाया जाता है।

(v) व्यवसायिक कर : (Professional Tax)

इसे राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के व्यवसायों (जैसे कि डाक्टर, वकील, CA आदि) पर एक मुश्त ढंग से लगाया जाता है।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

(vi) प्रापर्टी टैक्स या हाउस टैक्स या भूमि एवं भवन कर

इस कर को स्थानीय शासन की संस्थाओं जैसे कि नगर निगम आदि के द्वारा आवासीय और वाणिज्यिक परिसरों पर आरोपित किया जाता है
यह भी एक मुश्त कर होता है
इस कर की वसूली को बढ़ाने के लिए भवनों आदि की geo tagging पर जोर दिया जा रहा है

अप्रत्यक्ष कर ऐसे कर होते हैं जिनके भार को अन्य लोगों पर ट्रांसफर किया जा सकता है।

कर वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन अथवा उनके लेन-देन पर लगाए जा सकते हैं (Domain) चूंकि, वस्तुएँ और सेवाएँ एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति की ओर गमन करती रहती हैं इसलिए इस बात की संभावना भी बनी रहती है कि उसके साथ-साथ उनपर लगे कर भी अन्य लोगों की ओर चले जाए।

ये कर कितनी मात्रा में आगे जाएंगे, यह कई बातों पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई वस्तु आवश्यक है तो कर अधिक मात्रा में आगे जाएंगे क्योंकि इन वस्तुओं की मांग की कीमत लोच (Price-elasticity of Demand) कम होती है जैसे कि नमक, दवा, अनाज, खाद्य तेल आदि

$$D_x = f(P_x, P_y, I - - - - -)$$

यहाँ पर –

D_x = x- वस्तु की मांग

P_x = x- वस्तु की कीमत

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

P_Y = Y- वस्तु की कीमत।

I = उपभोक्ता की आय।

माँग की कीमत लोच

↓

$$\frac{\text{X वस्तु की माँग में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{X वस्तु की कीमत में प्रतिशत परिवर्तन}}$$

माँग की आय लोच

↓

$$\frac{\text{X वस्तु की मांग में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{उपभोक्ता की आय में परिवर्तन}}$$

↓

माँग की आड़ी लोच (Cross elasticity)

↓

$$\frac{\text{X वस्तु की माँग में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{Y वस्तु की कीमत में प्रतिशत परिवर्तन}}$$

इसी प्रकार, यदि कोई वस्तु विलासिता की वस्तु है तो कर अधिक मात्रा में ट्रांसफर नहीं हो पाएंगे क्योंकि इन वस्तुओं की माँग की कीमत लोच अधिक होती है जैसे कि बड़ी कारें, पर्यटन।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

उपर्युक्त के अलावा बाजार की संरचना भी इसे प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए, यदि बाजार में Monopoly (एकाधिकार) तो कर का ट्रांसफर अधिक मात्रा में होने की संभावना होती है। इसी प्रकार, यदि बाजार में प्रतियोगिता है तो कर का ट्रांसफर अधिकमात्रा में नहीं हो पाता है

अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष करों में प्रत्यक्ष करों को तुलनात्मक रूप से अधिक अच्छा माना जाता है। इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं -

- प्रत्यक्ष करो को इस प्रकार लगाया जा सकता है कि कम आय वाले लोग कर की कम दर तथा अधिक आय वाले लोग कर की ऊँची दर का भुगतान करे अर्थात प्रत्यक्ष करों को प्रगतिशील बनाया जा सकता है

उपर्युक्त के विपरीत, अप्रत्यक्ष कर स्वभाव से ही प्रतिगामी होते हैं और कम आय वाले लोगों पर अधिक आय वाले लोगों की तुलना में अनुपातिक रूप से अधिक भार डालते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Best Trusted Learning Platform
KHAN SIR